कान्हा छोडो माखन चुराना

धुन- दीदी तेरा देवर दीवाना

कान्हा छोड़ो, माखन चुराना ॥
मेरे लाल, किसी के घर ना जाना ॥

ना दूध की, कमी है, ना दहीयाँ की, कमी है ।
तो माखन, चुराने की, तुम्हें क्या पड़ी है ॥
तुझे समझाया, फिर भी न माना ॥
मेरे लाल, किसी के घर ना जाना...
कान्हा छोड़ो, माखन चुराना...

न ग्वालो की, कमी है, न गोपियों की, कमी है ।
तो राधा संग, जाने की, तुम्हें क्या पड़ी है ॥
तुझे समझाया, फिर भी न माना ॥
मेरे लाल, किसी के घर ना जाना...
कान्हा छोड़ो, माखन चुराना...

ना खेल की, कमी है, ना खिलोनो की, कमी है ।
तो यमुना, पे जाने की, तुम्हें क्या पड़ी है ॥
तुझे समझाया, फिर भी न माना ॥
मेरे लाल, किसी के घर ना जाना...
कान्हा छोड़ो, माखन चुराना...

अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33887/title/kanha-chhodo-makhan-churana

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |